आरती रघुवर लला की

आरती कीजै श्री रघुवर जी की,

सत् चित् आनन्द शिव सुन्दर की।

हिन्दीपथ.कॉम

दशरथ तनय कौशल्या नन्दन,

सुर मुनि रक्षक दैत्य निकन्दन।

अनुगत भक्त भक्त उर चन्दन,

मर्यादा पुरुषोत्तम वर की।

निर्गुण सगुण अनूप रूप निधि,

सकल लोक वन्दित विभिन्न विधि।

हरण शोक-भय दायक नव निधि,

माया रहित दिव्य नर वर की।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जानकी पति सुर अधिपति जगपति,

अखिल लोक पालक त्रिलोक गति।

विश्व वन्द्य अवन्ह अमित गति,

एक मात्र गति सचराचर की।

शरणागत वत्सल व्रतधारी,

भक्त कल्प तरुवर असुरारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नाम लेत जग पावनकारी,

वानर सखा दीन दुख हर की।

हिन्दीपथ.कॉम

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

हिन्दीपथ.कॉम – HindiPath.com

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- केदारनाथ की
- श्री भागवत भगवान
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता
- बाबा बालक नाथ की
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम